पार्सल से आ रही बदबू की फैली अफवाह

आईएसबीटी बस स्टैंड पर पहुंची पुलिस की टीम

नवभारत रिपोर्टर
भोपाल, 18 नवंबर. आईएसबीटी बस स्टैंड़ परिसर में रखे एक बदबूदार पार्सल की पैकिंग से लोग परेशान हो गए. पार्सल से आ रही बदबू को लेकर कुछ लोगों की ओर से उसमें मानव अंगों के होने की अफवाह भी उड़ा दी गई. मामले की जानकारी गोविंदपुरा थाना पुलिस को मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पार्सल को खुलवाया. पुलिस की जांच में यह सामने आया कि सूअर के ऊतक की टेस्टिंग के लिए पार्सल को भेजा जा रहा था.

मिली जानकारी के अनुसार कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराज्यीय बस टर्मिनल परिसर की यह घटना है. यहां बदबूदार पार्सल ने लोगों की नाक में दम कर दिया था. इस घटना का मौके पर मौजूद लोगों ने वीडियो भी बना कर वायरल किया.

आ रही बदबू को लेकर मानव अंगों के पार्सल में होने की अफवाह भी सामने आई. पुलिस ने पार्सल को खुलवाए और उसके अंदर मिले ऊतकों के साथ ही दस्तावेज भी बरामद किए. मिले दस्तावेजों से अब तक यह जानकारी सामने आई है कि इन ऊतकों को जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी के लैब में भेजा जा रहा था. दस्तावेजों की पड़ताल के बाद पुलिस ने पार्सल के डिस्पैच की स्वीकृति भी दी. घटना सोमवार देर रात की है, जब बदबूदार पार्सल की शिकायत पुलिस में की गई.

गोदाम में भीषण आगजनी

इलाके में लपटें देखकर सहमे लोग

अशोका गार्डन थाना के पास 80 फीट रोड पर एक व्यापारी के गद्दे के गोदाम में मंगलवार को आगजनी की घटना से हडकंप मच गया. आग की तेज लपटों को देखकर घटना स्थल के आस-पास के रहवासी क्षेत्रों में लोग सहम गए. भीषण आगजनी के चलते इस दौरान सड़क पर ट्रैफिक जाम की स्थिति भी देर तक बनी रही. आग को बुझाने के लिए 4 सब स्टेशनों की दमकलें पहुंची और भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. मिली जानकारी के अनुसार थाने से कुछ ही दूर पर स्थित गद्दे के गोदाम में भीषण आगजनी की घटना हो गई है. आग लगते ही पूरे इलाके में हड़कंप का महौल बन गया. गोदाम में लगी आग से तेज लपटें और घना धुआं दूर तक मडराता नजर आया. हादसे के चलते मुख्य सड़क पर देर तक ट्रैफिक जाम रहा. गोदाम में रखे लाखों रुपए के गद्दे और फोम जलकर खाक हो गए. लोगों ने बताया कि दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और बहुत देर के बाद भीषण आगजनी पर काबू पाया गया. गोदाम में किन कारणों से आग लगी इसकी जांच की जा रही है.

महिला टीचर ने प्राचार्य पर लगाया छेड़खानी का आरोप

भोपाल. नजीराबाद थाना क्षेत्र में संचालित एक सरकारी स्कूल की महिला टीचर की शिकायत पर छेड़खानी का प्रकरण दर्ज किया है. महिला टीचर ने स्कूल के ही प्राचार्य पर छेड़खानी का गंभीर आरोप लगाया है. मामले की शिकायत महिला थाने में की गई, आरोपी प्राचार्य की तलाश की जा रही है. मिली जानकारी के अनुसार महिला टीचर ने आरोपी प्राचार्य पर करीब छ: महीने से अधिक समय से छेड़खानी की बात कही है. महिला के अनुसार आरोपी ने अप्रैल महीने से उसके साथ छेड़खानी शुरू करते हुए परेशान करना शुरू किया था. महिला टीचर ने इसका लगातार विरोध किया, लेकिन आरोपी अपनी हरकतों से पीछे नहीं हटा था.

स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की स्थिति पर अनुसंधान

- स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के ज्ञान के स्रोत भिन्न-भिन्न
- हमीदिया और जीएमसी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

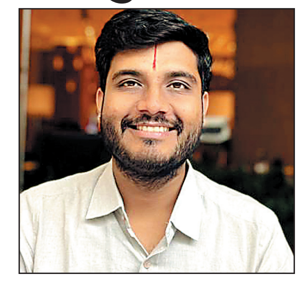

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 18 नवम्बर. गांधी चिकित्सा महाविद्यालय के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के डॉक्टर कुलदीप गुप्ता ने प्रोफेसर डॉ. जीवन सिंह मीणा के मार्गदर्शन में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की स्थिति पर महत्वपूर्ण अनुसंधान किया है.

अध्ययन में पाया गया कि स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के ज्ञान के स्रोत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में काफी भिन्न हैं. यह अंतर जागरुकता की पहुंच में असमानता को दर्शाता है. अध्ययन जीएमसी और हमीदिया अस्पताल के ग्रामीण अभ्यास क्षेत्र ओबेदुल्लाहगंज और शहरी क्षेत्र लेडी भोर सेंटर फतेहगढ़ में कुल 428 परिवारों पर किया गया. अध्ययन में यह सामने आया कि सभी प्रतिभागियों में से 144 यानी 33.6 प्रतिशत किसी भी स्वास्थ्य बीमा योजना में नामांकित नहीं हैं. वहीं शहरी क्षेत्रों में बिना बीमा वाले लोगों का अनुपात ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में ज्यादा पाया गया. कवरेज के मामले में आयुष्मान भारत सबसे प्रभावी योजना रही. जिसमें 240 प्रतिभागी शामिल थे जबकि 33 प्रतिभागियों के पास निजी स्वास्थ्य बीमा था.

अध्ययन में यह भी सामने आया कि अधिकांश परिवार योजना के अंतर्गत पूरी तरह कवर थे और 93 प्रतिशत से अधिक प्रतिभागियों ने माना कि योजना में शामिल होने के बाद उन्हें पहले की तुलना में वास्तविक लाभ मिला. प्रतिभागियों के एक बड़े समूह ने यह भी विश्वास जताया कि योजना में लगभग सभी बीमारियां कवर की जाती हैं. यह अध्ययन बताता है कि योजनाओं का लाभ तो मिल रहा है लेकिन जागरूकता और नामांकन को बढ़ाने की जरूरत अब भी बनी हुई है.

एक नजर में समझे

शोध में अध्ययन	428 परिवार
स्वास्थ्य बीमा में नामांकित नहीं	144
आयुष्मान योजना में शामिल	240 प्रतिभागी
निजी स्वास्थ्य बीमा-	33

पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप 21 को आएंगे भोपाल

भोपाल, 18 नवंबर. भोपाल पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 21 नवंबर को भोपाल आएंगे। पद छोड़ने के बाद धनखड़ का यह पहला सार्वजनिक कार्यक्रम होगा, जिसमें वे संबोधन देंगे। भोपाल के रवीन्द्र भवन में 21 नवंबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य की किताब हम और यह विश्व का विमोचन होगा। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ संबोधन देंगे। कार्यक्रम में वृंदावन के श्री आनंदम धाम आश्रम के पीठाधीश्वर रीतेश्वर जी महाराज और वरिष्ठ पत्रकार विष्णु त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

सड़कों पर पसरा अतिक्रमण

भोपाल. न्यू मार्केट में मंगलवार को दुकानों के बाहर अस्थाई रूप से लगाई गई दुकानों को हटाने की कार्रवाई की गई. मार्केट के रास्ते में ग्राहकों के चलने की जगह नहीं होने की शिकायत पर निगम ने यह कार्रवाई की.

बदमाशों ने युवक पर चाकू से किया जानलेवा हमला

- पुलिस ने केस दर्ज कर शुरू की तलाश

नवभारत रिपोर्टर
भोपाल, 18 नवंबर. कोलार क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते तीन बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया. लहुलुहान हालत में घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है. मामले की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है.

मिली जानकारी के अनुसार 25 वर्षीय घायल युवक अभिषेक मोरे कोलार में अपने चाचा के घर पर रहता है.

अभिषेक यहां रहकर रोजगार करता है. इसी क्षेत्र में रहने वाले आरोपी पप्पू उर्फ प्रकाश, सूजल और विजय ने पुरानी रंजिश निकालते हुए अभिषेक पर उस दौरान जानलेवा हमला किया, जब वह सोमवार को देर रात खाना खाकर घर से बाहर टहल रहा था. तीनों बदमाशों ने अभिषेक के साथ बहस करते हुए मारपीट की और उसके बाद चाकू से शरीर पर जानलेवा हमला कर दिया. अभिषेक के शोर मचाने पर हमलावर मौके से फरार हो गए.

बुजुर्ग महिला का शव मथुरा में मिला

सोशल मीडिया पर परिजनों को मिली जानकारी

नवभारत रिपोर्टर
भोपाल, 18 नवंबर. सोशल मीडिया पर एक मृतक बुजुर्ग महिला की तस्वीर को देखकर भोपाल में रहने वाले परिजन शव लेने मथुरा पुहंचे. शव की शिनाख्त के लिए पुलिस ने महिला की तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा किया. इसके बाद परिजनों को महिला के बारे में सूचना मिली.

मिली जानकारी के मुताबिक भोपाल की रहने वाली रही 85 वर्षीय मृतका अंगूरी बाई का शव यूपी के मथुरा रेलवे लाइन के साइड पर बरामद किया गया. जीआरपी मथुरा को मृतका के पास से कोई भी दस्तावेज बरामद नहीं होने पर शव की शिनाख्त करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा. इसके लिए पुलिस ने इलाके में लगातार प्रयास किए. मृतका की शिनाख्त हो सके, उनकी तस्वीरों को सोशल मीडिया साझा किया गया और परिजनों तक सूचना पहुंची. मृतका अंगूरी बाई के बेटी ने अपनी मां की तस्वीरों को पहचानते हुए मथुरा पहुंची और शव की शिनाख्त की. अंगूरी बाई के मथुरा तक पहुंचने को लेकर यह जानकारी सामने आई है कि करीब दो महीने पहले वह अपने बेटे से मिलने के दिल्ली जाने के लिए घर से निकली थी.

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर उनके बेटे ने संबंधित ट्रेन से मां के आने का इंतजार भी किया, लेकिन वह नहीं उतरी. अनुमान लगाया जा रहा है कि अंगूरी बाई मथुरा स्टेशन पर उतरी होंगी. इसके बाद वह लगातार अपने घर आने के लिए भटकती रही. इस बीच रेलवे ट्रैक के किनारे उनके शव के मिलने की जानकारी परिजनों तक सोशल मीडिया के जरिए पहुंची. पुलिस ने शव का पीएम कराते हुए परिजनों को सौंप दिया है.

प्रदेश के संविदा कर्मचारियों का कल होगा आंदोलन

- घंटी बजाओ, सरकार को जगाओ का रहेगा नारा

भोपाल, 18 नवंबर. प्रदेश के विभिन्न विभागों में कार्य करने वाले संविदा कर्मचारी 20 नवंबर को साल 2023 में 22 जुलाई को समान्य प्रशासन विभाग की विसंगति पूर्ण बनाई संविदा नीति में संशोधन किये जाने की मांग को लेकर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर घंटी, थाली, चम्मच, लोटा बजाकर सरकार को जगाने के लिए प्रदर्शन करेंगे.

भोपाल में दोपहर 1 :30 बजे राज्य शिक्षा केन्द्र के सामने घंटी बजाकर सरकार को जगायेंगे और मांग करेंगें कि संविदा नीति में अनेक विसंगतियां हैं, जिनके कारण संविदा कर्मचारियों के हित के लिए बनाई गई संविदा नीति से संविदा कर्मचारियों को फायदे के जगह नुकसान हो रहा है 4 जुलाई को तात्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा जो घोषणा की गई थी. उसके अनुसार आदेश जारी नहीं किये गये हैं, शासन में बैठे अधिकारियों ने अर्थ का अनर्थ कर दिया संविदा नीति में ऐसे बिन्दु डाल दिये कि संविदा कर्मचारियों को फायदे की जगह नुकसान हो रहा है.

दुर्घटनाओं में बढ़ती मौतों पर कांग्रेस का सवाल

विशेष संवाददाता
भोपाल, 18 नवंबर. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ. विक्रम चौधरी ने केंद्रीय मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम राष्ट्रीय सड़क दुर्घटना आंकड़ों पर गहरी चिंता व्यक्त की है. उन्होंने इसे डर पैदा करने वाला सार्वजनिक सुरक्षा संकट करार दिया. रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में देशभर में सड़क हादसों में 1,68,000 लोगों की मौत हुई, जिनमें से 84 प्रतिशत युवा वर्ग (18 से 45 वर्ष) शामिल था.

डॉ. चौधरी ने कहा कि ये आंकड़े दर्शाते हैं कि देश का भविष्य—युवा—भाजपा सरकार की लापरवाही, भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण कार्यों का सीधा शिकार बन रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के संरक्षण में ठेकेदारों और अधिकारियों की मिलीभगत के कारण राज्य में सड़क निर्माण की गुणवत्ता बुरी तरह गिर गई है. घटिया सामग्री के उपयोग से टूटी-फूटी सड़कें, जानलेवा 90 डिग्री मोड़, बिना साइनेज वाले ब्लाइंड टर्न, गलत ढलान और अव्यवस्थित इंजीनियरिंग जैसे खतरनाक दोष सामने आए हैं, जो प्रतिदिन सैकड़ों परिवारों को प्रभावित कर रहे हैं.

उन्होंने कहा कि युवाओं की रिकॉर्ड मौतें यह साबित करती हैं कि सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार अब सिर्फ आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि संस्थागत मानववध जैसा सामाजिक अपराध बन चुका है. डॉ. चौधरी ने मांग की कि सड़क निर्माण में उच्चतम गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन हो और संपूर्ण प्रक्रिया पारदर्शी बनाई जाए.

नो पार्किंग में पार्किंग... जिम्मेदार बेखबर

भोपाल. शहर के न्यू मार्केट क्षेत्र में मेन सड़क पर नो पार्किंग जोन में वाहनों को खड़ा किया जा रहा है. प्रतिदिन यह समस्या बनी होने से आवागमन में राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

आरजीपीवी में धारा 54 लागू करने की मांग

मंत्री परमार से मिले अभाविप के कार्यकर्ता

नवभारत रिपोर्टर
भोपाल, 18 नवंबर. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार से मुलाकात कर मांगे रखी. अभविप के मध्य भारत प्रांत मंत्री केतन चतुर्वेदी के नेतृत्व में कार्यकर्ता मंत्री परमार से मिलकर अपनी बातें रखी. इस मौके पर आरजीपीवी की एनएएसी एसएसआर रिपोर्ट में अकादमिक अनियमितताएँ के प्रमाण सौंपते हुए कुलपति और अन्य संबंधित दोषियों पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग मंत्री से की गई.

केतन चतुर्वेदी ने बताया कि पिछले कई दिनों से आरजीपीवी लगातार भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितता उजागर हो रही है. हाल ही में एनएएसी से ए++ ग्रेड प्राप्त करने की प्रक्रिया में की गई धांधली इसका नवीनतम उदाहरण है. चतुर्वेदी ने कहा कि

उन्होंने कहा कि वास्तव में यह एसएसआर एनएएसी टीम आने से पूर्व सार्वजनिक होना था, वह 17 नवंबर को वेबसाइट पर अपलोड किया गया. अभाविप ने मांग की है कि इस पूरे प्रकरण में शामिल सभी दोषियों पर एफ.आई.आर दर्ज करते हुए विश्वविद्यालय के अंदर धारा 54 घोषित की जानी चाहिए.

इसके साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा पोर्टल पर अपलोड की गई एसएसआर रिपोर्ट में कई गलत तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं, जिसने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक स्तर, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

नरेला में 800 वर्गफीट के मकान में मिले 108 मतदाता

कांग्रेस का बड़ा आरोप

विशेष संवाददाता
भोपाल, 18 नवंबर. नरेला विधानसभा क्षेत्र में मतदाता पुनरीक्षण के दौरान कथित अनियमितताओं का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के अनुसार रतन कॉलोनी स्थित मात्र 800 वर्गफीट के एक मकान में 108 मतदाताओं के नाम दर्ज पाए गए हैं.

बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) धनिशा कुशवाहा जब सत्यापन के लिए मौके पर पहुंचीं तो वहां केवल फूलबाई साहू अपने तीन सदस्यीय परिवार के साथ निवास करती मिलीं. दस्तावेजों की जांच और पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ कि इसी पते पर 108 अलग-अलग मतदाताओं के नाम दर्ज हैं. निरीक्षण के दौरान मौजूद कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने जब बीएलओ से इसका कारण पूछा तो उन्होंने स्वीकार किया कि यह प्रविष्टियां गलत हैं. शुक्ला ने इस मामले को चुनावी पारदर्शिता के लिए गंभीर खतरा बताते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेंद्र विक्रम सिंह से उच्च स्तरीय जांच की मांग की है. इसी दौरान एक अन्य मामले में शुक्ला ने अल्पसंख्यक बस्तियों में मतदाताओं को दो के स्थान पर केवल एक सर्वे फॉर्म दिए जाने पर भी आपत्ति जताई.

आरोप है कि बूथ लेवल अधिकारी अंजू मंडराई द्वारा यह फॉर्म भाजपा कार्यालय के पास बैठकर वितरित किए जा रहे थे, जिससे अविश्वास का माहौल बन रहा है. शुक्ला ने कहा कि अल्पसंख्यक मतदाताओं को जानबूझकर गलत या अधूरी जानकारी दी जा रही है, जिसके चलते भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है. यदि ऐसी स्थितियां जारी रहीं तो बड़ी संख्या में वास्तविक मतदाताओं के नाम सूची से विलोपित हो सकते हैं. कांग्रेस ने केंद्रीय निर्वाचन आयोग से नरेला में टीम भेजकर विस्तृत जांच कराने की मांग की है. निरीक्षण के दौरान अभिनव बरोलिया, विक्रम चौधरी, शेरियार खान, मोहद रियाज़, दानिश शब्बीर खान, युवराज सिंह राय, दीपक दीवान सहित कई नेता मौजूद रहे.

सफल ऑपरेशन 52 वर्षीय बुजुर्ग महिला को ऑपरेशन के बाद मिली राहत

42 किलो की वजनी महिला के पेट से साढ़े 5 किलो की निकाली गठान

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 18 नवम्बर. साल भर से अधिक समय से परेशान 52 वर्षीय बुजुर्ग महिला का हमीदिया अस्पताल में अंडाशय की गांठ का सफल ऑफरेशन हुआ. बता दें महिला का वजन केवल 42 किलो है, जिसमें साढ़े 5 किलो वजन की गांठ उसके पेट में मौजूद थी. ऑपरेशन में महिला के पेट से करीब साढ़े 5 किलो का गठान निकाल दिया गया है. इस पूरे ऑपरेशन को डॉ. कविता सिंह कैंसर स्पेस्लिस्ट (सर्जन) ने टीम के साथ पूरा किया.

डॉक्टर ने बताया कि गठान की लंबाई करीब डेढ़ फीट की थी, जो कि महिला के ओवरी (अंडाशय) में थी. गांठ इतनी बड़ी हो चुकी थी, जिसके कारण बुजुर्ग अम्मा को चलने फिरने और बोलने तक में परेशानी हो रही थी. पेट में 5 किलो से ज्यादा वजनी गांठ के कारण पैरों में सूजन और चलने में तकलीफ हो रही थी. लंबे समय से परेशान बुजुर्ग अम्मा के लिए हमीदिया अस्साल एक जीवनदान की तरह साबित हुआ. अस्पताल में बिना किसी तरह के शुल्क के सम्पूर्ण इलाज पूरा किया गया और अस्पताल प्रशासन के द्वारा मरीजों के लिए पूर्णत: निशुल्क बेहतरीन सुविधायें उपलब्ध है. जिसका रोजाना हजारों लोग लाभ उठाते हैं. उनमें से एक यह 52 वर्षीय बुजुर्ग महिला भी हैं. आपरेशन के ठीक बाद नवभारत की रिपोर्टर ने जब अम्मा से हाल चाल पूछा तो उन्होंने कहा कि इलाज बहुत अच्छा हुआ है. दर्द में बहुत आराम है, अब अच्छा लग रहा है.

लंबे समय तक दर्द-सूजन होने पर लें सलाह

हार्मोनल असंतुलन, मासिक धर्म चक्र के दौरान ठीक से ओव्यूलेशन न होना, या एंडोमेट्रियोसिस के कारण भी गांठ होने की सम्भावना होती है. इसके लक्षणों में पेट में दर्द, अनियमित पीरियड्स, सूजन और पेशाब में कठिनाई शामिल हैं. अधिकांश गांठें हानिरहित होती हैं जो दवाओं से ठीक हो जाती हैं लेकिन लंबे समय तक दर्द, सूजन और कठिनाई होने पर डॉक्टर से सलाह लेना ज़रूरी है.

इनका कहना है
अंडाशय से 5 से 6 किलो की गांठ निकाली गई है. इसे जांच के लिए भेजा गया है जिसकी रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा कि गठान में कैंसर था या नहीं.
डॉ कविता सिंह, डीन, जीएमसी

पुलिस ने गुमशुदा लड़की की तलाश की पूरी

भोपाल. निशातपुरा थाना पुलिस ने 4 साल से गुमशुदा लड़की तलाश कर परिजनों को सौंपा. लड़की जब नाबालिक थी, उस समय अपने वह गुम हो गई थी.

मिली जानकारी के मुताबिक मोतीलाल नगर करोंद निवासी महिला ने अपने बेटी के गुम होने की सूचना पुलिस में दी थी. फरियादी महिला ने बताया था कि उनकी 17 साल की बेटी गुम हो गई और उसकी तलाश में परिजन परेशान है. पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की. पुलिस के मुस्कान अभियान के तहत बच्ची की तलाश जारी रही और थाना प्रभारी मनोज पटवा की अगुवाई में बनी टीम ने बच्ची की तलाश पूरी की और परिजनों को सौंप दिया गया है.